E-mail : eeupjnrhathras@gmail.com

उत्तर प्रदेश जल निगम (ग्रामीण),

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, खण्ड कार्यालय,

भवन सं0–867/19, भगवन्तपुर, गुमानपुर रोड, हाथरस–204101

पत्रांकः–912 /जनशिकायत/32 दिनांकः– 26/05/2026

सेवा में,

अधिशासी निदेशक,
राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन,
नमामि गंगे तथा ग्रामीण जलापूर्ति विभाग,
लखनऊ।

विषयः– दैनिक समाचार पत्र हिन्दुस्तान में दिनांक 25.05.2026 में प्रकाशित खबर "जल जीवन मिशन के कार्य में लापरवाही बर्दाश्त नहीं" के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपरोक्त विषयक दैनिक समाचार पत्र हिन्दुस्तान में दिनांक 25.05.2026 को प्रकाशित खबर जल जीवन मिशन के कार्य में लापरवाही बर्दाश्त नहीं" में उल्लेख है कि जनपद में संचालित पेयजल योजनाओं के पुनर्गठन संबंधी कार्यों तथा जल जीवन मिशन कार्यक्रम फेज-3 के अंतर्गत निर्माणाधीन एवं प्रस्तावित कार्यों की प्रगति की समीक्षा बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में मुख्य विकास अधिकारी की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक के दौरान मुख्य विकास अधिकारी ने ग्रामीण पेयजल योजना के अंतर्गत अब तक आच्छादित किए गए घरों, विद्यालयों एवं आंगनबाड़ी केंद्रों की प्रगति की विस्तारपूर्वक समीक्षा की उन्होंने कार्यदायी संस्थाओं एवं ब्लॉकवार लंबित एवं अवशेष कार्यों की जानकारी प्राप्त करते हुए निर्देश दिए कि सभी शेष कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर निर्धारित समयसीमा में गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूर्ण कराया जाए। ताकि ग्रामीण क्षेत्रों में प्रत्येक पात्र परिवार तक शुद्ध पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित हो सके। मुख्य विकास अधिकारी ने कहा कि जल जीवन मिशन शासन की अत्यंत महत्वपूर्ण योजना है, इसलिए कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को नियमित स्थलीय निरीक्षण करते हुए कार्यों की सतत निगरानी बनाए रखने के निर्देश दिए।

उक्त के सम्बन्ध में अवगत कराना है कि मुख्य विकास अधिकारी, हाथरस द्वारा जल जीवन मिशन कार्यों की समीक्षा के दौरान कार्यों में विलंब एवं जलापूर्ति बाधाओं सम्बन्धी समस्याओं पर त्वरित कार्यवाही के निर्देश दिए गए हैं।

इस सम्बन्ध में निम्नानुसान अनुपालन सुनिश्चित किया जा रहा है –

1. जनपद में संचालित समस्त जल जीवन मिशन के अन्तर्गत ग्रामीण पे0यो0 की समीक्षा की जा रही है तथा लबिंत कार्यों को प्राथमिकता पर पूर्ण कराने हेतु कार्यदायी संस्थाओं को निर्देशित किया गया।
2. जिन योजनाओं पर विद्युत संयोजन लंबित है, वहां आवश्यक धनराशि जमा कर विद्युत विभाग से समन्वय स्थापित करते हुए शीघ्र संयोजन की कार्यवाही कराई जा रही है।
3. सम्बन्धित अधिकारियों को फील्ड भ्रमण कर योजनाओं की नियमित मॉनिटरिंग करने तथा जलापूर्ति की सतत उपलब्धता सुनिश्चित करने हेतु निर्देशित किया गया है।

4. विभागीय स्तर पर यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि किसी भी ग्राम में पेयजल आपूर्ति बाधित न हो तथा शिकायत प्राप्त होने पर तत्काल सुधारात्मक कार्यवाही की जाए।

अतः अवगत कराना है कि जल जीवन मिशन अन्तर्गत समस्त कार्यों की सतत निगरानी की जा रही है एवं प्राप्त निर्देशों के अनुपालन में आवश्यक कार्यवाही प्राथमिकता के आधार पर की जा रही है।

आख्या सादर सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

भवदीय

(मोहित कुमार)
अधिशासी अभियन्ता

पत्रांक व दिनाँक उक्त।

<u>प्रतिलिपि :–निम्नलिखित को सादर सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित–</u>

1. मुख्य अभियन्ता (ग्रामीण), उ0प्र0 जल निगम (ग्रामीण), लखनऊ।
2. मुख्य अभियन्ता (आ0क्षे0), उ0प्र0 जल निगम (ग्रामीण), आगरा।
3. अधीक्षण अभियन्ता, मंडल कार्यालय, उ0प्र0 जल निगम (ग्रामीण), अलीगढ़।
4. मुख्य विकास अधिकारी महोदय, हाथरस।
5. जिला एवं जन सम्पर्क अधिकारी, हाथरस।

अधिशासी अभियन्ता

जल जीवन मिशन के कार्य में लापरवाही बर्दाश्त नहीं

• जल जीवन मिशन कार्यक्रम फेज तीन के कार्यों की हुई समीक्षा

हाथरस, संवाददाता। जनपद में संचालित पेयजल योजनाओं के पुनर्गठन संबंधी कार्यों तथा जल जीवन मिशन कार्यक्रम फेज-3 के अंतर्गत निर्माणाधीन एवं प्रस्तावित कार्यों की प्रगति की समीक्षा बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में मुख्य विकास अधिकारी पी एन दीक्षित की अध्यक्षता में हुई।

बैठक के दौरान मुख्य विकास अधिकारी ने ग्रामीण पेयजल योजना के अंतर्गत अब तक आच्छादित किए गए घरों, विद्यालयों एवं आंगनबाड़ी केंद्रों की प्रगति की विस्तारपूर्वक समीक्षा की। उन्होंने कार्यदायी संस्थाओं एवं ब्लॉकवार लंबित एवं अवशेष कार्यों की जानकारी प्राप्त करते हुए निर्देश दिए कि सभी शेष कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर निर्धारित समयसीमा में गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूर्ण कराया जाए। ताकि ग्रामीण क्षेत्रों में प्रत्येक पात्र परिवार तक शुद्ध पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित हो सके। सीडीओ ने कहा कि जल जीवन मिशन शासन की अत्यंत महत्वपूर्ण योजना है, इसलिए कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को नियमित स्थलीय निरीक्षण करते हुए कार्यों की सतत निगरानी बनाए रखने के निर्देश दिए। बैठक में जिला कृषि अधिकारी, अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी, जिला पंचायत राज अधिकारी, अधिशासी अभियंता विद्युत सहित संबंधित विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।